

साबुण कौड आथ दोणौ ज़ौरूरी केलाइ



Bangani

साबुण कौइ आथ दोणौ ज़ौरूरी केलाइ

Bangani
uttarkashi, uttrakhand, india

For permission to reuse, contact the copyright holder.

Big book in Bangani language
Community based Book

परकाशण:-

NLCI

बंगाणी मसी समिति समू

दो बात

यह किताब बंगाणी भाषा में बनायी गयी है। इस किताब में एक कहानी है जिसे 10-12 पेजों में बनाया गया है और हर पेज में लगभग 2-3 वाक्य है। इस किताब में हर एक वाक्य के अनुसार चित्र भी डाला गया है। इन चित्रों के आधार से पढ़ने वाला कहानी बता सकता है और पढ़ाने वाला कहानी सुना सकता है। इस पुस्तक का उपयोग साक्षरता कार्यक्रम में किया जाता है। यह किताब बड़े ही आसान और बहुत ही कम शब्दों में और बहुत सरल रीति से बनायी गयी है। ताकी जो लोग पढ़ने की शुरूआती स्तर में हैं वह आसानी से इस कहानी को अपनी अपनी मातृ-भाषा में पढ़के आसानी से समझ सकें और अपनी मातृ-भाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास कर सकें।

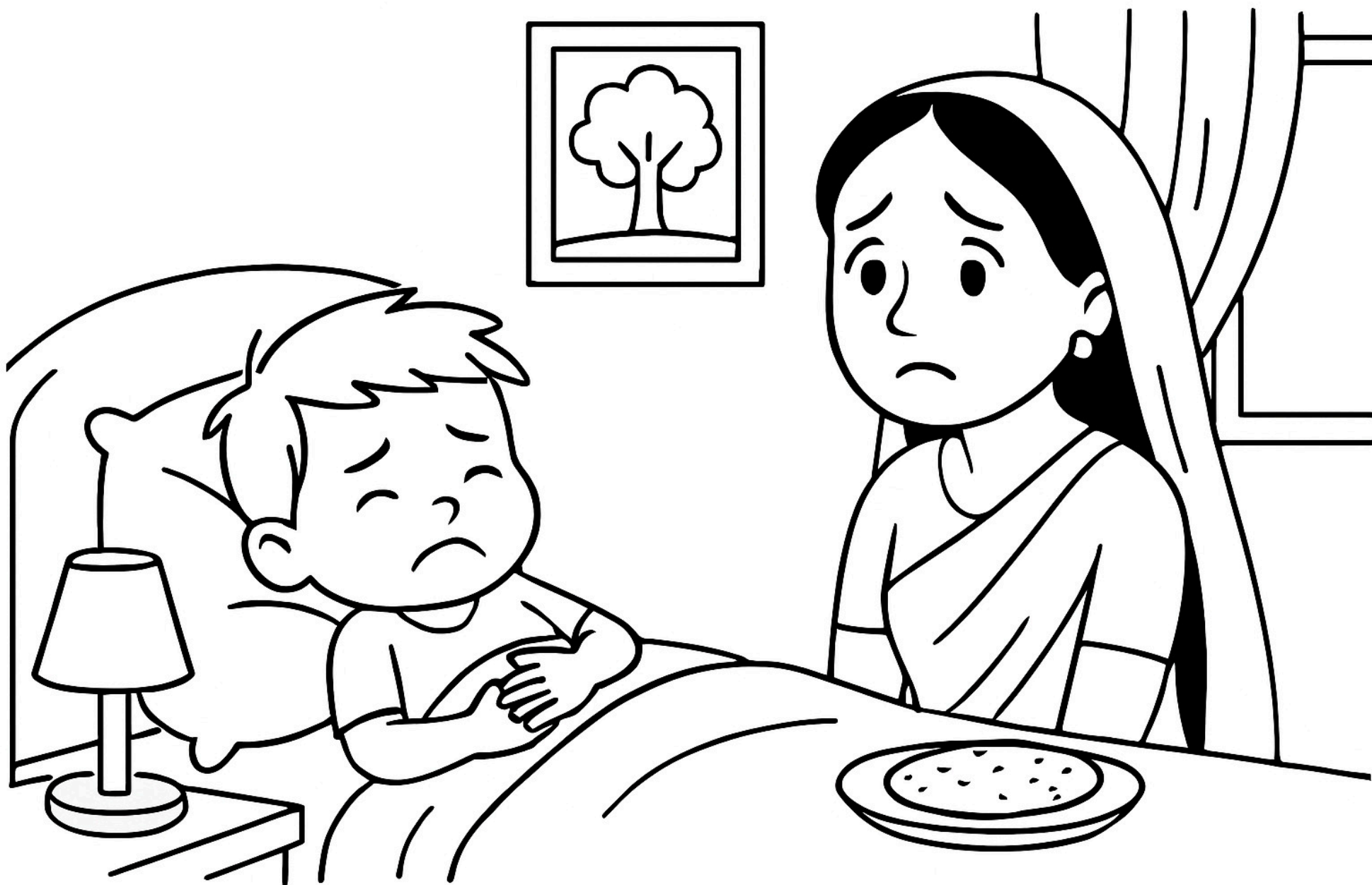
॥धन्यवाद॥



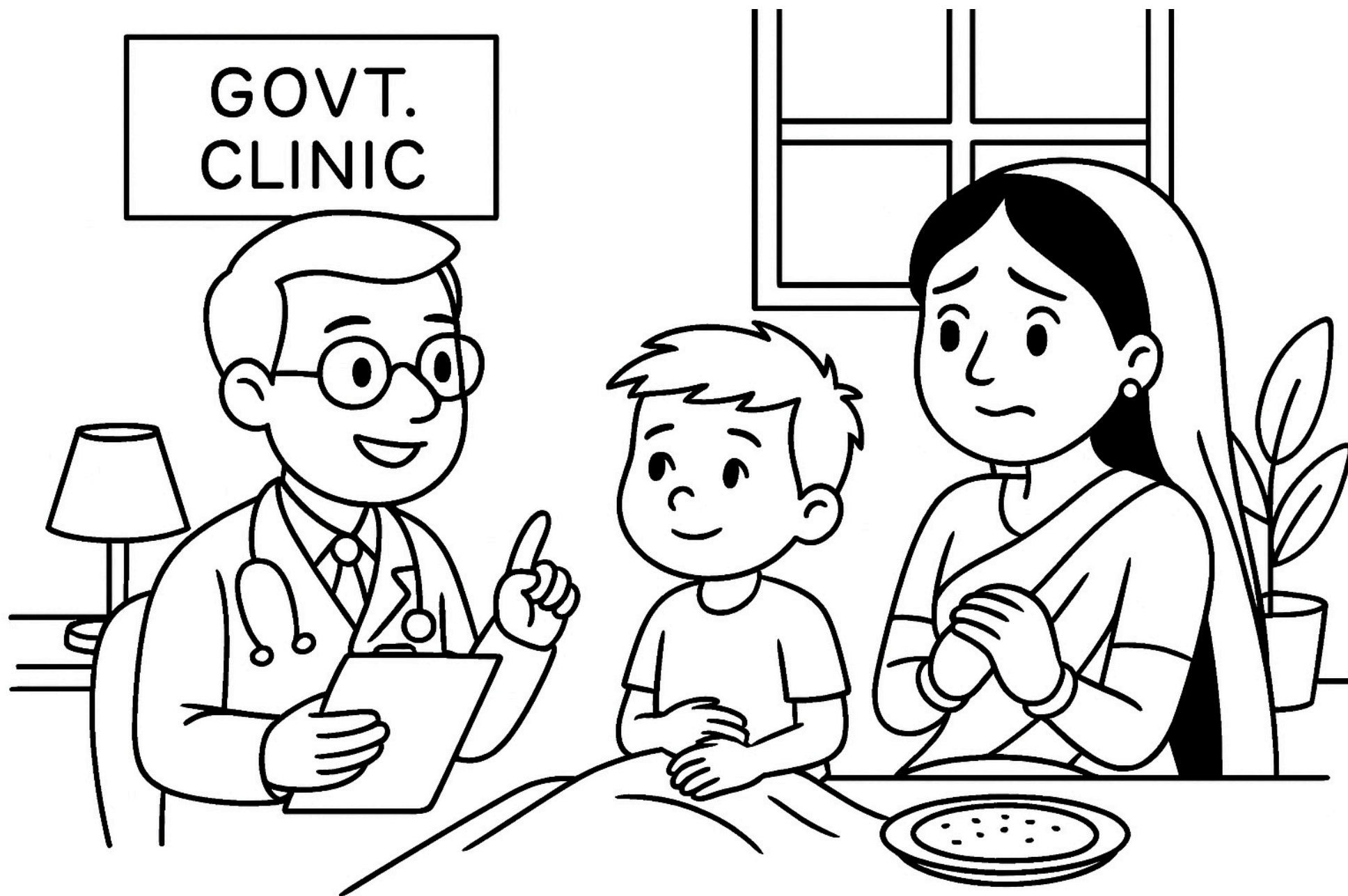
एक गाउँ दि सोनू आपडै आमा पापा
रै साथै रौयै थौ। सोनू हर रोज़
डोखरेदि खेलदै डै थौ, सेउ वापस
आइयौ सीदौ खाणौ खान्दै बोशै थौ।



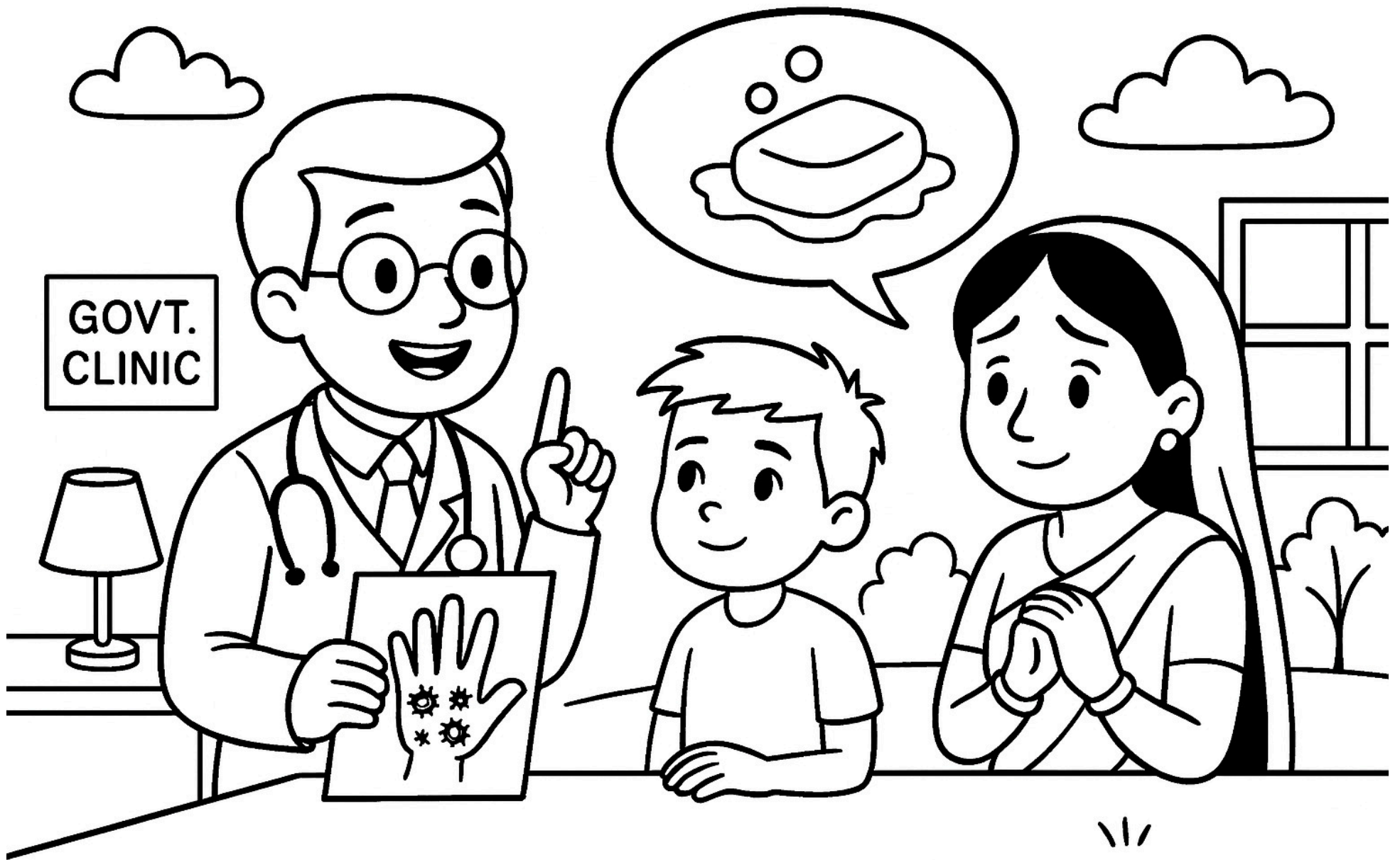
सोनू साबुण कौइ आथ ना दोयै थौ।
मीना बी केत्रा केत्रा सौकाळी री बौजै
कौइ पोरु बिसरै थी, तेसारी साबुण
कौइ आथ दोणे रवी।



एक दूस सोनूइ दौस्त लागै । दौस्त रै
बौजै कौइ सेउ काफी कमज़ोर उइ
गोओ थौ । मीना बी डौरी मौरी तियै
सेउ औस्पताल दि गिणौ ।



डौक्टरेड मीना कौइ पुछ्छौ कि एउ
खाणौ खाणै कौइ औगौणिकै साबुण
कौइ आथ दोऐ? मीनाइ बोलौ साबुण
कौइ तै ना दोन्दौ पर पाणी कौइ
एशौइ दौऐ।



तैबै डौक्टर सै सौमज़ाइ कि गांन्दै
आथु कौइ कीटाणु आमारै पेटे दि
डैण। एज़ि बौज़ै कौइ साबुण कौइ
आथ दोणौ बौरी ज़ौरूरी औयै।

हाथ धोने के 5 महत्त्वपूर्ण अवसर



खाना खाने से पहले



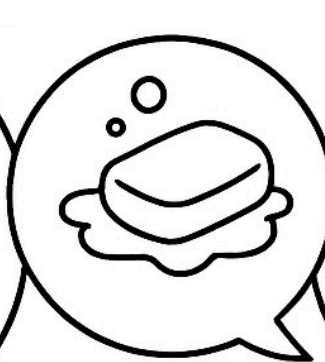
खाँसने या शीकने के बाद



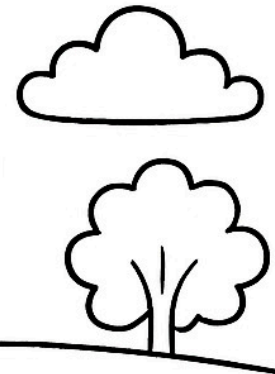
बाहर से आने के बाद



शौचालयके उप्रोग के बाद



बच्चे को संभालने से पहले और बाद में



डौक्टेरेइ बोलौ कि आमु खाणौ खाणै
कौइ औगौणिकै, शौच कौरणै बासियै,
खाणौ चाणनै कौइ औगौणिकै, बाऽरौ
कौइ बित्रै आणे दि, औज़ि पेटारौउं
छुणै कौइ औगौणिकै साबुण कौइ
आथ दोणै चाइं।



तैबै मीनाइ बोलौ कि आमैं एत्रा कौइ
सौदाइं साबुण कौइ आथ दोइण । तैबै
तियै आथ दोणे री ज़ागा दि एक
साबुण थौ ताकि गौरै रै सारै लोग
साबुण कौइ आथ दौऐ लै ।



तैबै सोनूइ बी एशौ शिकी गोऔ थौ
कि साबुण कौइ आथ दोणौ बौरी
ज़ौरूरी औयै। औज़ि तिणी एसरै बारेदि
आपड़ै दोस्तु आरी बी बोलौ कि आमु
साबुण कौइ आथ दोणौ चाइं।



एक दूस इस्कूले दि बी पेटारौं एक
नाटक कियौ। तिउं साबुण वाळौ
आथ, औज़ि बिमारिउं कौइ आराम रै
बारे दि नाटक कियौ, औज़ि एस
नाटक दि सोनू बी थौ।

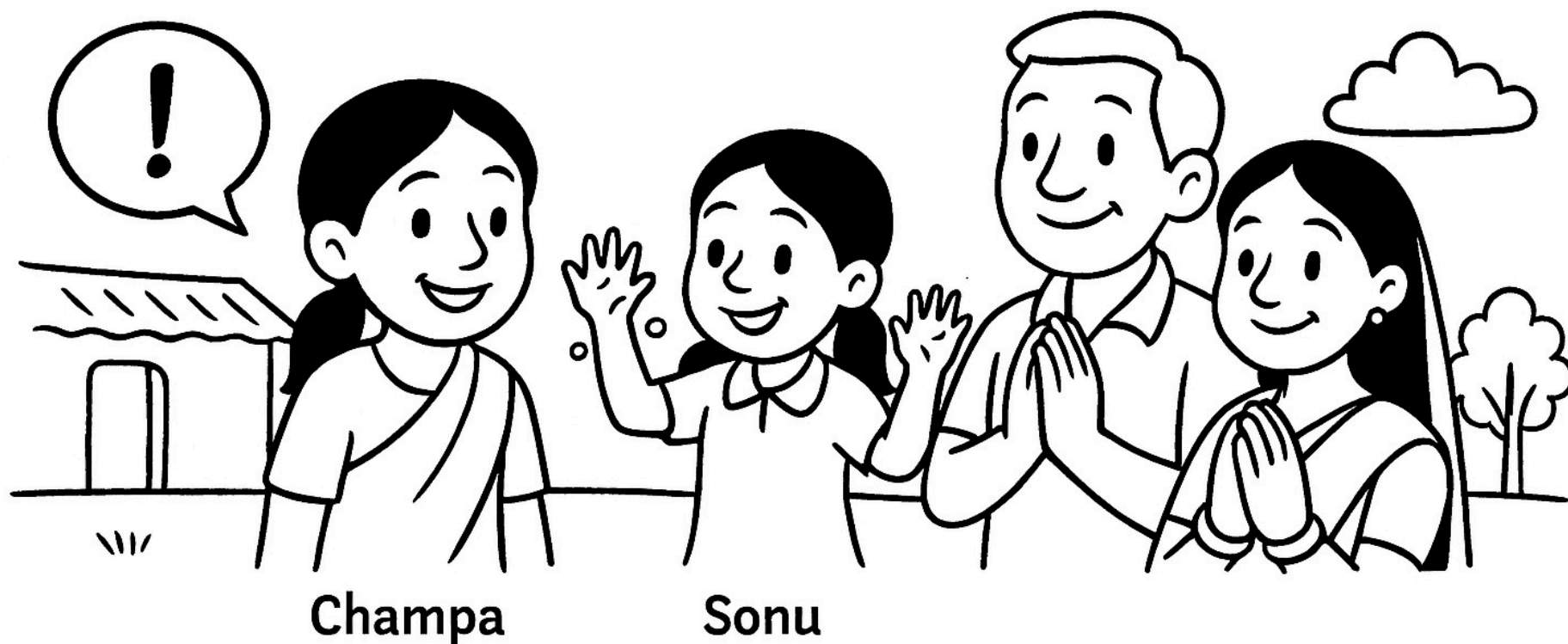


इसकुले दि गाउँ रै लोगु नाटक देखियौ
सोच दि पौड़ी गोयै । एजि बौजै कौइ
गाउँ रै सारै लोगु आपड़ै आपड़ै गौरेदि
आथ दोणे री ज़ागा दि साबुण थौन्दै
लागै ।



एज़ि बौज़ै कौइ गाउँ रै पेटारै बी कम
बीमार उन्दै लागै । सारै लोग आपड़ै
आथु औज़ि शौरीरेइ बी साफ थौन्दै
लागै, ज़ेसकौइ सारै ज़ौणै आपड़ी
ज़िन्दगी बौड़िया कोइ ज़िन्दै लागै ।

**SIRF PAANI NAHIN,
SABUN ZAROORI HA!**



एज़ि कांऽणी कौइ आम्कै एशी शिक
मिलै कि आमुं हर रोज़ साबुण कौइ
आथ दोणै चाइं, खाली पाणी ई ना
बौल्कि साबुण बी ज़ौरु।

For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.

यह किताब NLCI के द्वारा तैयार की गई है।

हम मात्रभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें। और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मात्रभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मात्रभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मात्रभाषा में वयस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मात्रभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे कि बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मात्रभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

.....धन्यवाद.....

